त्रिपुरा के गोमती जिले में आयोजित टीएसपी योजना प्रतिवेदन

14 मार्च, 2024

"ब्रूडस्टॉक प्रबंधन और बीज" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

जनजातीय उपयोजना 2023-24 के तहत त्रिपुरा के गोमती जिले के कारबुक ब्लॉक में जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए क्लारियस मागुर का उत्पादन और प्रदर्शन इकाई की स्थापना 14 मार्च, 2024 को मत्स्य पालन अधीक्षक कार्यालय, कारबुक उप प्रभाग, गोमती त्रिपुरा में आयोजित की गई । कार्यक्रम का आयोजन भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई एवं मत्स्य पालन विभाग,त्रिपुरा सरकार के सहयोग से किया गया । इस कार्यशाला के मार्गदर्शक डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, डॉ. एस मुनील कुमार, नोडल अधिकारी, टीएसपी, डॉ. एस. जहाजगीरदार, नोडल अधिकारी, पोवारखेड़ा केंद्र थे । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कारबुक त्रिपुरा आरडी ब्लॉक के ब्लॉक सलाहकार एवं समिति के अध्यक्ष श्री प्रणब थे । अन्य अतिथियों में श्री अघोर देबबर्मा, मत्स्य पालन अधीक्षक, कारबुक सब डिवीजन, श्री टिमोथी संगमा, मत्स्य अधिकारी, कारबुक आर.डी. ब्लॉक शामिल हैं। कार्यक्रम में कुल मिलाकर 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें 2 महिलाएं भी शामिल थीं। उद्घाटन सत्र में प्रमुख अतिथि ने त्रिपुरा के ऐसे आंतरिक स्थान में विकासात्मक कार्यों के लिए सीआईएफई मुंबई और मत्स्य पालन विभाग के काम की सराहना की। उन्होंने कारबुक सब डिवीजन में शुरू की गई विभिन्न मछली पालन गतिविधियों में सीआईएफई के वैज्ञानिकों से सलाह लेने का आग्रह किया। श्री अघोर देबबर्मा ने अपने स्वागत भाषण में सीआईएफई के निदेशक की सराहना की । टीएसपी योजना के तहत कारबुक ब्लॉक को चुनने के लिए डॉ. रविशंकर सी.एन. ने विशेष रूप से मागुर प्रजनन और बीज उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि मागुर बीज की कीमत राज्य में बहुत अधिक है और मांग पर भी उपलब्ध नहीं है। प्रशिक्षण के समन्वयक श्री धालोंगसाई रियांग, वैज्ञानिक, सीआईएफई मुंबई ने जनजातीय उपयोजना कार्यक्रम और प्रजनन मौसम के दौरान किए जाने वाले मागुर प्रजनन की प्रदर्शन इकाई की स्थापना सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लाभार्थियों को सौंपे जाने वाले विभिन्न जलीय कृषि इनपुट के बारे में चर्चा की जिसमें तिरपाल आधारित टैंक, मागुर ब्रूडर, फ्लोटिंग फीड, वातन प्रणाली और कास्ट नेट शामिल हैं। उद्घाटन सत्र के दौरान अंग्रेजी और कोकबोरोक भाषा में मागुर प्रजनन और बीज उत्पादन, ट्यूबीफेक्स लाइव फ़ीड संस्कृति, मछली स्वास्थ्य प्रबंधन, मछली रोग और निवारक उपायों पर 6 पत्रक विस्तार सामग्री जारी की गई। सीआईएफई के कार्यक्रम के समन्वयकों में टीएसपी के नोडल अधिकारी डॉ. एस. मुनील कुमार, आईसीएआर-सीआईएफई मुंबई और पोवारखेड़ा केंद्र से श्री

धालोंगसाइह रियांग, डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. टी.आई चानू, डॉ. सुनील कुमार नायक शामिल हैं। उद्घाटन सत्र का समापन मत्स्य अधिकारी श्री टिमोथी संगमा के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

तकनीकी सत्र वैज्ञानिक श्री धालोंगसाई रियांग द्वारा लिया गया।

तकनीकी सत्र के दौरान त्रिपुरा के जल संसाधनों विशेषकर कारबुक ब्लॉक के विशेष संदर्भ में मागुर ब्रूडस्टॉक प्रबंधन पर व्याख्यान सत्र था। मागुर के प्रेरित प्रजनन और सिस्टम हैचरी के माध्यम से प्रवाह में लार्वा पालन पर एक अन्य व्याख्यान पर भी चर्चा की गई। मत्स्य पालन अधीक्षक श्री अघोर देबबर्मा ने भी उपलब्ध विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की।

उन्होंने मागुर प्रजनन जैसे अधिक नवीन विकासात्मक कार्यों को लागू करने के लिए आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई जैसे केंद्रीय संस्थान के साथ सहयोग करने पर भी जोर दिया। किसान वैज्ञानिक बातचीत सत्र भी था जहां मछली पालन में प्रतिभागियों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों पर समग्र चर्चा की गई।

अधिकांश किसान कार्प की बहुकृषि का अभ्यास कर रहे थे। वे मागुर हैचरी स्थापित करने में बहुत रुचि रखते हैं क्योंकि देसी मागुर बीज की अनुपलब्धता के कारण मागुर बीज की कीमत बहुत अधिक है। कुल मिलाकर, प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल रहा और किसान आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई की मदद से आगामी प्रजनन मौसम में मागुर प्रजनन और बीज उत्पादन के क्षेत्र में अपना उद्यम शुरू करने से बहुत खुश थे।

Inauguration of the training program by Mr. Pranab Tripura, Chairman, Block Advisory, Karbook R.D Block

Address by Chief Guest Mr. Pranab Tripura

Total 0f 23 participants including 2 woman

Address by Mr. Aghore Debbarma, Superintendent of Fisheries, Department of Fisheries, Karbook Sub-Division

Address by Mr. Dhalongsaih Reang, Scientist, ICAR-CIFE, Powarkheda center, Madhya Pradesh

Technical session on Magur breeding and seed production

Total 6 leaflet extension materials were published during the training program